- पूंजी बाजार की आवश्यकताओं के लिए - एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड (एसबीआई कैप्स)
- ट्रेजरी और निवेश के लिए - एसबीआई गिल्ट्स और एसबीआई सिक्योरिटीज
- निवेश के लिए - एसबीआई म्यूचुअल फंड लिमिटेड
- सामान्य बीमा और जीवन बीमा के लिए - एसबीआई जनरल इंशोरेंस कंपनी लिमिटेड और एसबीआई लाइफ इंशोरेंस कंपनी लिमिटेड
- प्राप्य राशियों की फैक्टरिंग के लिए - एसबीआई ग्लोबल फ़ैक्टर्स लिमिटेड

बदलते बैंकिंग परिदृश्य के अनुरूप, बैंक ने कैग व्यवसाय वर्टिकल के अंदर दो विशेष व्यावसायिक इकाइयाँ बनाई हैं।

- क्रेडिट लाइट ग्रुप (सीएलजी) विशेष रूप से क्रेडिट लाइट क्षेत्रों - फार्मा, एफएमसीजी, आईटी, ऑटो आदि में ग्राहकों की 360 डिग्री बैंकिंग आवश्यकताओं को देखने के लिए।
- वित्तीय और संस्थागत समूह (एफ़आईजी) - बीमा कंपनियों, दलाली फर्मों, बैंकों (निजी और विदेशी) और म्यूचुअल फंड जैसे वित्तीय संस्थानों की ऋण और लेनदेन संबंधी बैंकिंग आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए।

31 मार्च 2019 को कैग के कुल ऋण पोर्टफोलियो ₹ 5.36 लाख करोड़ (फंड आधारित - ₹ 3.61 लाख करोड़ और गैर-निधि आधारित - ₹ 1.75 लाख करोड़) की तुलना में 31 मार्च 2020 को कैग का कुल ऋण पोर्टफोलियो ₹ 5.38 लाख करोड़ (फंड आधारित - ₹ 3.63 लाख करोड़ और गैर-निधि आधारित - ₹ 1.75 लाख करोड़) रहा।

देश की प्रमुख शीर्ष कंपनियाँ और नवरत्न सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम कैग व्यवसाय वर्टिकल के ग्राहक हैं।

## ख. राजकोषीय परिचालन

विश्व बाजार इकाई (जीएमयू) आपके बैंक के राजकोषीय परिचालन करता है। वह अपेक्षित जोखिम-समायोजित प्रतिलाभ प्राप्त करने के लिए अधिशेष निधियों का नियोजन बाजार में करने के लिए जिम्मेदार है। विश्व बाजार इकाई के संविभाग में एसएलआर एवं गैर एसएलआर प्रतिभूतियों में निवेश, सार्वजनिक रूप से बेचे जाने वाली ईक्विटियाँ, उद्यम पूंजी निधियाँ, निजी ईक्विटी एवं कार्यनीतिक निवेश शामिल हैं। इसके अलावा वह ऐसे बहुविध उत्पाद और सेवाएँ देता है, जिनसे ग्राहकों की विदेशी मुद्रा जरूरतों की पूर्ति होती है।

### 1. आपके बैंक के ब्याज दर उतार-चढ़ाव एवं एसएलआर और गैर-एसएलआर संविभाग

विश्व बाजार इकाई आपके बैंक के निवेश संविभाग का प्रबंधन करता है और सीआरआर एवं एसएलआर विनियामक अपेक्षाओं की पूर्ति करता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने हाल ही में फैले नॉवेल करोना वाइरस बीमारी को महामारी घोषित किया है। कोविद-19 का असर भारत में भी अनुभव किया गया। कोविद-19 महामारी को रोकने के लिए प्रधान मंत्री ने देश भर में लॉकडाउन घोषित किया।

इसके परिणामस्वरूप, उभरते बाजार मार्केट बॉन्डों एवं ईक्विटियों में भारी जोखिम विमुखता देखी गई। इसके अलावा ऋण एवं ईक्विटी आस्तियों से ₹ 1.21 लाख करोड़ का एफपीआई बहिर्वाह देखा गया। म्यूचुअल फंडों से प्रतिमोचन एवं निवेश मांग का अभाव भी देखा गया। विश्व स्तर पर केंद्रीय बैंकों द्वारा नीति दरें घटाई गई और आस्ति खरीद कार्यक्रम घोषित किए गए। सरकारों ने अर्थव्यवस्था की सहायता करने के लिए महत्वपूर्ण आर्थिक पैकेजों की घोषणा की है।

27 मार्च 2020 को भारतीय रिज़र्व बैंक की मुद्रा नीति समिति ने रेपो दर में 75 आधार अंकों की कटौती कर उसे 4.40% किया, जबकि रिवर्स रिपो दर को घटाकर 4% किया। इससे ब्याज दर दायरा 50 आधार अंकों से बढ़कर 65 आधार अंक हुआ। भारतीय रिज़र्व बैंक ने वित्तीय स्थितियों के तनाव को दूर करने के लिए कुछ उपाय भी घोषित किए। इसके अलावा भारतीय रिज़र्व बैंक ने सीआरआर में 1% की कटौती की, अपेक्षित न्यूनतम दैनिक सीआरआर को घटकर 80% किया और लक्षित दीर्घावधि रिपो परिचालन की नई योजना शुरू की, जो परिपक्वता तक धारित संविभाग में कॉरपोरेट बॉन्डों को निवेश करने की अनुमति देती है। इसके अलावा रिज़र्व बैंक ने मीयादी ऋणों की अधिस्थगन, कार्यशील पूंजी वित्तपोषण को सरल बनाने एवं कार्यशील पूंजी सुविधाओं पर ब्याज को स्थगन करने की घोषणा की।

देशी स्तर पर ब्याज दरों में गिरावट की प्रवृत्ति जारी रही। 9 मार्च 2020 को सबसे न्यूनतम के 6.07% स्तर पर पहुँचने से पहले बेंचमार्क 10वाई प्रतिभूति (6.45 सीजी-एसईसी 2029) अत्यधिक 6.80% पर पहुंची। कम आय के कारण लाभ कमाने और निवेशों पर प्रावधान घटाने के अवसर मिले हैं।

बैंकिंग प्रणाली में चलनिधि जिसका वित्त वर्ष 2020 के आरंभ में अभाव रहा, वित्त वर्ष 2020 की पहली तिमाही के अंत तक अधिशेष रही। भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा खुले बाजार परिचालन किए जाने एवं विदेशी अंतर्वाह के कारण ऐसा हुआ। इसके अलावा ऋण संवृद्धि के अभाव से स्थिति खराब हुई और मार्च 2020 के अंत तक बैंकिंग प्रणाली की चलनिधि ₹ 4.96 ट्रिलियन रही।

## 2. ईक्विटी बाजार

कोविद-19 संक्रमण तेजी से बढ़ना सुर्खियों में प्रमुख रूप से रहा, क्योंकि चीन के बाहर महामारी के तेजी से बढ़ने से यह भय होने लगा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था पूर्व अनुमान से भी गंभीर रूप से टूटेगी और इसी कारण से विश्व स्तर पर जोखिम आस्तियों की बिक्री तेज हो गई। कोविद-19 का धक्का बाजारों को ठीक होने के लिए ट्रिगर के रूप में काम आया। मार्च 2020 के दौरान ₹ 62,000 करोड़ के विदेशी संस्थागत निवेश के बहिर्वाह से भारतीय बाजारों में मार्च में भारी कमी देखी गई। वित्त वर्ष 2020 के दौरान निफ्टी 50 की आय (-)26.03 रही।

तथापि इस भारी सुधार के बाद बाजार मूल्यांकन आकर्षक रहे और विश्व भर में अधिकांश केंद्रीय बैंकों से चलनिधि सहायता मिलने के कारण ईक्विटी बाजार में सुधार के संकेत देखने को मिले। भविष्य की बात करें तो कोविद-19 के आ जाने से विश्व और देशी अर्थव्यवस्था की आर्थिक तनाव एवं वसूली पर नीतिगत प्रतिक्रिया कुछ महत्वपूर्ण घटनाएँ होंगी, जिनसे बाजारों की दिशा तय होगी।

आपके बैंक ने प्रमुख वैश्विक और देशी घटनाओं के बीच सक्रिय संतुलन की कार्यनीति अपनाकर ईक्विटी संविभाग का प्रबंधन किया। इसके अलावा आपका बैंक जोखिम-रिवार्ड परिप्रेक्ष्य से अपेक्षित लाभ प्राप्त करने हेतु संविभाग का इष्टतम उपयोग करने का प्रयास कर रहा है।

## 3. निजी ईक्विटी/जोखिम पूंजी निधि

आपके बैंक ने स्पेशल विंडो फॉर एफोर्डबल एंड मिड इनकम हाउसिंग इनवेस्टमेंट फंड में निवेश के लिए ₹ 1,250 करोड़ संस्वीकृत किया, जो कि रुकी पड़ी रियल-इस्टेट परियोजनाओं के निधीयन के लिए भारत सरकार द्वारा शुरू और प्रायोजित की गई विशेष निधि है।

वित्त वर्ष 2020 में गैर-मुख्य आस्तियों का सक्रिय विनिवेश किया गया और आपका बैंक एक्विफैक्स क्रेडिट इन्फार्मेशन सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड, पेट्रोनेट एमएचबी लिमिटेड से पूरी तरह और नैशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) से आंशिक रूप से बाहर आ गया।

## 4. विदेशी मुद्रा बाजार

विश्व बाजार इकाई आपके बैंक के विदेशी मुद्रा व्यवसाय का प्रबंधन करता है, जिससे बाजारों को चलनिधि उपलब्ध करने के साथ साथ ग्राहकों को अपने मुद्रा प्रवाहों का प्रबंधन करने और ऑप्शन, स्वैप एवं फार्वार्ड के जरिए जोखिम कम करने के समाधान उपलब्ध होते हैं। आपका बैंक रुपए स्पॉट एवं रुपए फार्वार्ड बाजारों का प्रमुख प्लेयर है और मर्चेन्ट विदेशी मुद्रा प्रवाहों में उसका पर्याप्त बाजार अंश है। सीसीआईएल एफएक्स क्लियर प्लेटफार्म पर चलनिधि प्रदान करने में आपका बैंक सबसे आगे है। मुद्रा फ्यूचर्स से सृजित मात्रा के हिसाब से आपका बैंक विदेशी मुद्रा गृहों के तीन सबसे बड़े ग्राहक बैंकों में से एक बन गया है।

आपका बैंक सीसीआईएल द्वारा शुरू किए गए एफएक्स-रीटेल प्लेटफॉर्म के साथ ग्राहकों को जोड़ने के मामले में सक्रिय है, जिसके द्वारा ग्राहकों को पारदर्शी एवं किफायती मूल्यनिर्धारण का लाभ मिलता है।

### संविभाग प्रबंधन सेवाएँ

भारतीय रिज़र्व बैंक के अनुदेशों के अनुसार आपके बैंक ने 1 अप्रैल 2019 से सभी संविभाग प्रबंधन सेवाओं से संबंधित गतिविधियों को बंद कर दिया है।

SBI

सुरक्षित मोबाइल बैंकिंग टिप्स:

- अज्ञात स्रोतों से प्राप्त फ्लैश प्लैयर ऐप्लिकेशन को न तो खोलें और न ही इन्स्टाल करें
- किसी भी ऐप को इन्स्टाल करने से पहले ऐप परमिशंस से सत्यापन कर लें
- यदि कोई ऐप एडमिन प्रिविलेजिस की मांग करता है, तो उसे तुरंत अन-इन्स्टाल/डिलीट करें
- मोबाइल एंटी-वायरस सॉफ्टवेयर का उपयोग करें
- थर्ड पार्टी के ऐप स्टोर्स या एसएमएस या ई-मेल में दिए गए लिंक से ऐप डाउनलोड न करें
- किसी भी ऐप्लिकेशन को एडमिनिसट्रेटिव प्रिविलेजिस न दें
- मोबाइल का ऑपरेटिंग सिस्टम (ओएस) अपडेट रखें

सुरक्षित बैंकिंग के लिए शुभकामनाएं

आपका बैंक इस समय एक्सचेंज ट्रेडेड करेंसी डेरिवेटिव्स एवं ब्याज दर फ्यूचर्स के साथ साथ काउंटर पर ब्याज दर एवं करेंसी डेरिवेटिव्स का सौदा कर रहा है। आपके बैंक द्वारा किए गए ब्याज दर डेरिवेटिव्स में रुपया ब्याज दर स्वैप (ओआईएस), विदेशी मुद्रा ब्याज दर स्वैप (आईआरएस), विदेशी मुद्रा से रुपया ब्याज दर स्वैप (एमआईएफओआर), फार्वार्ड दर करार (एफआरए), कैप्स, फ्लोर्स एवं कालर्स शामिल हैं। आपके बैंक द्वारा किए जाने वाले करेंसी डेरिवेटिव्स में क्रास करेंसी स्वैप (सीसीएस), यूएसडी/आईएनआर ऑप्शन एवं क्रास करेंसी आपशंस शामिल हैं। ये उत्पाद बैंक के ग्राहकों को अपने जोखिम करने के लिए उपलब्ध कराए जाते हैं। कांट्रा पोजिशनों को ऑप्शन अथवा एमआईएफओआर पुस्तिका में रखा जाता है अथवा अंतर बैंक में बैक टु बैक रखा जाता है। आपके बैंक द्वारा डेरिवेटिव्स का उपयोग ट्रेडिंग के साथ साथ तुलन पत्र हेजिंग प्रयोजन के लिए किया जाता है।

डेरिवेटिव्स लेनदेन के साथ बाजार जोखिम अर्थात ब्याज दरों/विदेशी मुद्रा दरों में प्रतिकूल उतार-चढ़ाव से आपके बैंक को होने वाला संभावित नुकसान से जुड़ा होता है। इसके साथ ऋण जोखिम अर्थात प्रतिपक्ष द्वारा अपनी देयताओं की पूर्ति में विफलता के कारण आपके बैंक को होने वाले संभावित नुकसान से जुड़ा होता है। बोर्ड द्वारा अनुमोदित आपके बैंक की "डेरिवेटिव्स निति" डेरिवेटिव्स लेनदेन करने के लिए बाजार जोखिम मापदंड (अन्य के साथ साथ ग्रीक लिमिट, लॉस लिमिट, कट लॉस ट्रिगर, खुली स्थिति सीमा, अवधि, संशोधित अवधि, पीवी 01) और ग्राहक पात्रता मानदंड (ऋण रेटिंग, संस्वीकृत सीमाएं एवं ग्राहक उपयुक्तता नीति के अनुसार सीएएस रेटिंग) निर्धारित करता है। अंतर बैंक प्रतिपक्षों की जोखिम की निगरानी इस प्रयोजन के लिए निर्धारित सीमाओं के जरिए की जाती है। प्रतिपक्षों को हमारे साथ आईएसडीए निष्पादित करना होता है।

आपके बैंक में विभिन्न प्रकार की जोखिमों की निगरानी के लिए विभिन्न समितियां एवं विभाग मौजूद हैं। आस्ति देयता प्रबंधन समिति (एल्को) कुशल चलनिधि प्रबंधन की निगरानी करती है। बाजार जोखिम प्रबंधन विभाग (एमआरएमडी) डेरिवेटिव्स लेनदेनों से जुड़ी बाजार जोखिम की पहचान, उपाय एवं निगरानी करता है। यह विभाग इन जोखिमों के नियंत्रण एवं प्रबंधन में भी आस्ति देयता प्रबंधन समिति की सहायता करता है और नियमित अंतरालों पर बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति को निर्धारित नीति के अनुपालन की रिपोर्ट करता है।

डेरिवेटिव्स के लेखांकन की नीति भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुरूप तैयार की गई है, जिसके विवरण वित्त वर्ष 2020-21 की अनुसूची 17 : प्रमुख लेखांकन नीतियों के अंतर्गत रखे गए हैं।

SBI
आप लॉटरी जीत गए!
आपका कार्ड ब्लॉक हो गया!
आपको स्पेशल बोनस मिला है!
इस प्रकार के नकली कॉल, एसएमएस व ईमेल जाली होते हैं.
अपना पासवर्ड/पिन/एमपिन/ओटीपी किसी से शेयर न करें.
बैंक कभी भी इसकी जानकारी नहीं मांगता.